



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

शासकीय से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49]

तई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 19, 1988/पौष 29, 1909

No. 49] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 19, 1988/PAUSA 29, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

जल-मूलन परिवहन मंत्रालय

(नीचवहन पद्धति)

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1988

प्रधिकारी

का.प्रा. 116 (प) — सूक्ष्म केन्द्र सरकार वाली यह राय है कि  
फैसले रोमेन यूनियन आफ इंडिया, बालबत्ता, और इंडियन नेशनल शिप  
ओफर्स एंड मिशन, ब्रम्भै के दोनों यहाँ संलग्न शिप्यून में ट्रैक्टर भासलों  
के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय विवाद है,

और सूक्ष्म केन्द्र सरकार उक्त विवाद को अधिनिर्णय के लिए भेजता  
वाली है।

अतः अब ऐन अरकार एन्ड हाईकोर्ट वालिंग्फिक पोल परिवहन अधिकारी, 1958 (1958 का 44) की धारा 150 की उप धारा (1) द्वारा  
प्रदत्त शाखियों वा प्रयोग करते हुए उक्त विवाद को भारत सरकार,  
जल-मूलन परिवहन मंत्रालय के एस. ओ. मंड़ा 970(ई), भारत के  
झलकाधारण राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 3-11-87  
में प्रकाशित, द्वारा गठित द्रिश्यनल के पास अधिनिर्णय के लिए भेजती है।

गिरावट

"क्या, कार्ड ही सीधें यूनियन आफ इंडिया, कलकत्ता के 13-6-1987  
के मार्ग-पत्र (प्रतिलिपि अनुबंध में) में निहित मार्गे मांजडा बैनर डोचे,  
सेवा जनी, सीमेन वो स्वीकार्य कल सामां, मुगलां हरने की नीचवहन उद्योग  
की जगता और नेशनल मेरोटाइम बोर्ड के नवाचाहन में इंडियन नेशनल  
शिप ऑफर्स एंड मोमिशन थीं, नेशनल सीमेन यूनियन आफ इंडिया द्वारा  
पहले लिए जा चुके शास्त्र को इयात में ज्ञाने द्वारा अंतिरूप है?" दि-  
हां तो सीमेन कितनी गश्तारा के लिए जहशर है।"

[काइन ग्रंथा नी-18018/3/87-प्रदी]

की की राव, मंयुक्त मन्त्री

अनुबंध

मार्गों के लाइंगर के संबंध में कार्ड ही सीधें यूनियन आफ इंडिया  
कलकत्ता द्वारा मनिव, जल-मूलन परिवहन मंत्रालय का नवीनियत पत्र  
सं. एफ एस यू शार्फ/एन एम वी-(सी एल वी)---( ) 20552/87 दिनांक  
13 जून 1987 की प्रति

यह आपकी जानकारी में है कि पिछला द्वितीय करार, यथा राष्ट्रीय मीरीटाइम बोर्ड (भरत) — 1984 का कारार, 31 मार्च, 1986 को समाप्त हो गया है। इस अनिवार्य ही जो कि जनकाता—प्राधारित रजिस्टर्ड सीमेन के लिए बैतन संबंधी बातें बताने वाले निकाय के तौर पर एक माल भाग्यता प्राप्त था वाग्मिन ऐसी है, वे संविधिन जहाज मालिकों और उनके एम्प्लियूडों तथा राष्ट्रीय मीरीटाइम बोर्ड (भरत) के जहाज मालिक पक्ष के समझ दिनांक 6 कारारी, 1986 को अपनी मांगों का स्टार्टर घोषित किया था।

लेकिन जहाज मालिकों ने न ही सीमेन की मांगों की निपटान निया है और न ही ही हों किसी भी कोरम में बिचारा विमर्श के लिए आवंशिक किया है। यथापि उन्होंने अपनी ओर से बैतन संविधिन प्राक बीफोरर्ड आफ इंडिया, बैबई (बैबई—प्राधारित रजिस्टर्ड सीमेन की एक मालाता प्राप्त यूनियन) के साथ किए गए कारार की योग्यता की राह परिवर्तन की है।

**प्रतः निम्नलिखित रूप में प्रस्तुत की गई मांगों का तत्काल निपटान करना जरूरी है :—**

1. मूल बैतन—विद्यमान मूल बैतन में 40% घट्दि।
2. पूरक—मूल बैतन का 40% पूरक के रूप में।
3. समुद्रोपरि भत्ता—मूल बैतन का 40% समुद्रोपरि भत्ता के रूप में।
4. वरिष्ठता भत्ता—प्रत्येक 5 दर्ते के बाद हर अवस्था पर 25 रुपए वरिष्ठता भत्ता के रूप में।
5. टैकर भत्ता—मूल बैतन का 25% टैकर भत्ता के रूप में।
6. टनेज भत्ता—प्रत्येक सीमेन जो निम्नलिखित टनेज के जहाजों पर कार्यरत हैं, जिनमें टैकर्ज, याती जहाज और बल्क बैरिंगर प्राविश्याभिल हैं, अन्य बैतन और भत्तों के अनिवार्य निम्नलिखित नाम का हृत्तार होगा :—

(क) जी आरटी 15,001 से 25,000 रुपए	—मूल बैतन का 8%
(ख) " 25,001 से 30,000 रुपए	— " " 10%
(ग) " 30,001 से 35,000 रुपए	— " " 12%
(घ) " 35,001 से 40,000 रुपए	— " " 14%
(ज) " 40,001 से 50,000 रुपए	— " " 17%
(च) " 50,001 से 60,000 रुपए	— " " 20%
(छ) " 60,001 से 70,000 रुपए	— " " 23%
(ज) " 70,001 से अधिक	— " " 25%

7. बोनस—मूल बैतन, पूरक, समुद्रोपरि भत्ता, वरिष्ठता भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ते। टैकर भत्ते (केवल टैकरों के लिए) टनेज भत्तों (यदि कोई हो) का 20% बोनस के रूप में।

#### 8. बैतन के साथ निवृत्ति—

10.(व) दिन का मूल, पूरक, समुद्रोपरि भत्ता, वरिष्ठता भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता, टैकर भत्ता (केवल टैकरों के लिए), टनेज भत्ता (जी. आरटी, 15,000 से अधिक) सेवा के प्रत्येक भठ्ठा के लिए जिसमें 40 रुपए प्रतिदिन की दर पर निर्बंधित भत्ता आमिल है।

9. निर्बंधित भत्ता—(क) पेइ अवकाश प्रथम किये भी प्रकार के रिटेनेशन पर 40 रुपए प्रतिदिन।

(ए) भारत में ट्रॉफिट पर और साइन बरने की व्यवधि से जहाज पर ज्वाइन करने की प्रथमित के दौरान 50 रुपए प्रतिदिन।

(ग) चिकित्सा की व्यवधि के दौरान 60 रुपए प्रतिदिन।

(इ) यदि रोकेशन के बाद सीमेन को अनुप्रयुक्त घोषित किया जाए।

(ई) यदि एक सीमेन को अमार या आयल रूप से छिस्कार्ड किया जाए।

10. प्रमाणपत्र मत्ता—(क) जिनके पास बाच कीपिंग प्रमाणपत्र हो, उन्हें 50 रुपए प्रति माह।

(ख) जिनके पास ए. बी और/प्रथमा लाइक बोट अंटर/प्रथमा अमिन शमत और/प्रथमा रेवीव्हिल एट सी प्रमाणपत्र हो 30 रु. प्रतिमाह प्रत्येक प्रमाणपत्र प्रथमा प्रमाणपत्रों के लिए, सेकिंड कलार औरएसर अटेंडेंट प्रमाणपत्र के लिए 50 रु. प्रतिमाह फस्ट कलार औरएनर अटेंडेंट प्रमाणपत्र के लिए 75 रु. प्रतिमाह, गहरे समूद्र में जाने हेतु 100 प्रति माह।

11. कार्य समय—प्रति सप्ताह 40 घण्टे यथा सोमवार से शुक्रवार 8 घण्टे प्रतिदिन और शनिवार, रविवार अवकाश दिया जाए।

12. विश्राम की व्यवधि—एक सीमेन 12 घण्टे के विश्राम का हक्कार होगा, यथा यातात 4 घण्टे मनोरंजन या आराम की व्यवधि और 8 लगातार घण्टे नोने के लिए। यदि जिसी सीमेन से आराम की व्यवधि के 4 घण्टों में बार्य सेवा अन्वेषित हो या यहसे कम घण्टों के लिए भी, तो वह उसने प्राराम व्यवधि में लिए गए काम के लिए 30 रुपए के मुद्रादण्डों का हक्कार होगा जो कि डबल औरटाइम के प्रतिरिक्षण होगा। यदि प्रवधि में काम करने के लिए या उस वर्तान कम व्यवधि में कान करने के लिए उसे प्रत्येक कार्य-घण्टे के लिए 75 रु. डबल औरटाइम के प्रतिरिक्षण।

13. औवर टाइम की गणना की दर—यदि किसी सीमेन की बाच कीपर के सिवाए, 18 घण्टे से 0800 घण्टे तक काम करने के लिए कहा जाए तो उसे प्रत्येक कार्य व्यवधि के लिए डबल औवरटाइम देना होगा। यदि किसी आधिकारी पर या आराम की व्यवधि में और/प्रथमा शपन व्यवधि में काम करने के लिए कहा जाए तो प्रत्येक कार्य-घण्टे के लिए, प्रत्येक घण्टे पर औवर टाइम का सिंगल घण्टा।

14. औवर टाइम की दर की गणना—मूल बैतन, पूरक, समुद्रोपरि भत्ता, वरिष्ठता भत्ता, टनेज भत्ता, प्रमाण पत्र भत्ता, टैकर भत्ता, सब मिनाकर और उप रायि की 86.5 से साग करके प्रति घण्टा औवरटाइम की दर निकालना और प्रत्यक्ष कार्य घण्टों के लिए, प्रत्येक घण्टे पर औवर टाइम का सिंगल घण्टा।

15. रिटेनेशन भत्ता—(क) सी मैन मूल बैतन, पूरक लेने का हक्कार है रिटेनेशन के समय वरिष्ठता भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता यथा (i) सेनेशन और साइन-प्रति दिन के बाब की व्यवधि के लिए।

(ii) कार्य संबंधी घोटे पर बापसी से अंतिम पेसेट—प्राक तक।

(iii) कार्य संबंधी घोटे पर बापसी से अंतिम पेसेट—प्राक तक।

(iv) 15 दिनों के मूल बैतन, बोनस, पूरक, वरिष्ठता भत्ता और प्रमाण पत्र भत्ता प्रति माह, अंतिम पेसेट—प्राक की तारीख से प्राप्त कार्य की सारीक तक, रोस्टर्स के बाब गूरु।

**टिप्पणी—उपर्युक्त के प्रतिरिक्षण सीमेन प्रतिमाह मकान किराया भत्ता का हालायार होगा।**

16. चिकित्सा सामग्री—एक सीमैन अपने तैनाती के पत्तन महिला भारत के विसी पत्तन में बोमार हो जाता है तो वह जब तक आने काम पर लौटने के लिए फिर धोयिन नहीं कर दिया जाता तब तक वह मूल, पूरक, वरिष्ठना भत्ता, प्रमाण पत्र भत्ता तथा बोने पाने का हकदार है।

टिप्पणी—मेडिकल अस्वस्थता की अवधि के दौरान नकान किराया भी देय है। मेडिकल अस्वस्थता की अवधि के दौरान संबंधित मीमैन भारत 15 (ब) में उल्लिखित भत्ता गाने का हकदार नहीं होगा;

17. मकान किराया भत्ता—मूल वेतन का 22%, पूरक, वरिष्ठना भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता, मकान किराया भत्ता के रूप में आहे वह आने प्रथम आफ अटिकल्ड हो;

18. अवकाश यात्रा—एक सीमैन प्रति वर्ष अवकाश यात्रा के रूप में 2000/- रु. और अपना वेतन और भत्ते पाने का हकदार होगा;

19. परिवार चिकित्सा भत्ता—सामान्य वेतन और भत्तों के अवाग उसके परिवार के उसके अधित स्तरों के इताज के लिए खर्च हेतु प्रति माह 150/- रु. ;

20. वर्दी घुलाई भत्ता—समुद्री यात्रा पर रहने हुए 150/- रु. प्रति माह वर्दी घुलाई भत्ता;

21. वर्दी अनाने का भत्ता—एक वर्दी अनाने के भत्ते के रूप में 1500/- रु. का भुगतान किया जाएगा,

22. गंदा कार्गो घुलाई भत्ता—कोयला, सीमेंट, कार्बन डैन, पेट्रोलियम, कोक, सफ्टर, पमु, चारा भारी भाला में अवधा ऐसे ही कार्गो के लावने और अवधा उनारने के समय 10/- रु. प्रति दिन;

23. गिर कीर्तिंग—355/- रु. प्रति राशि और शनिवार और रविवार अवधा ऐसे किसी अवकाश के दिन 70/- रु. प्रति दिन गिर कीर्तिंग सत्ता के रूप में प्रत्येक पोर्ट में दिया जाएगा यदि सीमैन को रोहा जाता है;

24. होम टाउन यात्रा—प्रत्येक रेटिंग के लिए उसके होम टाउन से नजदीकी स्टेशन तक और होम टाउन से नीचहन कार्यालय तक का प्रथम श्रेणी का रेल किराया और इसके अवधा अन्य खर्चों के लिए 100/- रु. का भुगतान किया जाएगा;

25. राष्ट्रीय अवकाश—एक सीमैन को निम्नलिखित 18 अवकाश दिए जाएँ—

1. अपत्रक विवस
2. पोंगल/बीनम
3. होली
4. गुरु फाई
5. नेशनल मेरीटाइम डे
6. महावीर जयंती
7. शुद्ध पूर्णिमा
8. पहसी मई
9. ईद-उल-फितर
10. स्वतंत्रता विवस
11. ईद-उल-जुहा
12. मोहरम
13. महाराष्ट्रा गोंधी जन्म विवस

14. महा प्रष्टमी
15. दंशहरा
16. विवाली
17. गुरु नानक जन्म दिवस
18. क्रिसमस विवस

टिप्पणी—यदि किसी नाविक को इन दिनों कार्य करने के लिए कहा जाता है सो उसे सामान्य घटों का जोबरदाइम दिया जाएगा;

26. गार्डेंड मैनिंग—यदि किसी अपरिहार्य परिस्थितियां के कारण जहाज पर रेटिंग की कमी हो जाती है, तो संबंधित रेटिंग के मूल वेतन, पूरक, विदेशी भत्ता, बोनस, टेनेज भत्ता, टैकर भत्ता की दुगुनी राशि संबंधित विभाग के नाविकों के ओवर वाई दो जाए;

27. मृत्यु और विकलांगता मुआवजा—नेशनल मेरीटाइम बोर्ड—नामी आफ एंग्रीमेंट, 1984 के बलाज 101 (ए) में निर्दिष्ट मीड्यू धर का 150% प्रत्येक रेटिंग के लिए;

28. अतरनाक कार्गों मुआवजा—अतरनाक किसके कार्गो डोन के कारण स्थायी अक्षमता के कलस्वरूप मूल्य या जड़मी होने की शर्त में और निर्दिष्ट सूची के अनुसार रेटिंगों सामग्रियों, तरल कार्गों, कज्जे वेतन, पेट्रोलियम ड्रेरीवेटिम्स पेट्रोल ड्रैक पाउइर, ब्लास्टिंग कैप्स, डिटोतेविकैंप, लॉडेड वेम, हथापीले, डेनामाइट, टी एन टी, सेलिनाइट, लॉडेड यैन्स, टारपिंडो, लाइटाइट या कोई ऐसा कार्गो जिसके लिए महानिंदेशक विस्कोटर के प्रमाणपत्र की जरूर होती है, तो नाविक को मृत्यु और विकलांगता मुआवजे के प्रत्यावरा 50,000 रुपए की राशि मुआवजे के रूप में अदा की जाएगी ;

29. प्लाइट ब्रीमा—जब किसी नाविक को मालिक, एजेंट या भास्टर द्वारा द्वाई यात्रा करने को कहा जाता है, तो संबंधित मालिक, एजेंट या भास्टर अपने अचं पर ऐसे नाविक की 1,00,000 रुपए की बोना कराएगा और यदि मृत्यु या विकलांगता होती है सो नेशनल मेरीटाइम बोर्ड एंग्रीमेंट के अनुसार मूल्य और विकलांगता मुआवजा के अनावा यह राशि देय होगी;

30. जी, पी—जहां जी पी रेटिंग को इस प्रकार के जहाज पर सामाय जाएगा, तो उसके रेटिंग अंते मूल वेतन के 20% और 25% तथा कमाये प्राप्तिक रूप से समेकित जी पी मैनिंग और पूर्ण रुप से समेकित जी पी मैनिंग के लिए पारम परिक रेटिंगों के लिए निर्वाचित प्रत्येक भत्ते प्राप्त करने का हकदार होगा;

31. बेकारी का लाभ—यदि कपनी के बंद होने या बेडे में कटीनी करने या नीचहन कंपनी के विवलिया होने के कारण कोई नाविक बेकार हो जाता है या उसे फालतू धोयित कर दिया जाता है, तो प्रत्येक ऐसा नाविक इस प्रकार की गई सेवा के प्रत्येक खर्च के लिए अंतिम भाव का मूल वेतन, पूरक, वरिष्ठना भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा जो 15 महीने के वेतन से कम न हो;

32. ग्रेचुटी—ग्रेचुटी के रूप में अंतिम एक भाव का मूल वेतन, पूरक, वरिष्ठना भत्ता, प्रमाणपत्र भत्ता और बोनस विवा जाएँ और तरटुग और ग्रेचुटी ग्रेचुटी की संशोधित दिया जाएँ;

33. पोटरेज—जब किसी नाविक को जहाज पर जाने या रैताती के पत्तन पर जाने या कपनी के किसी अस्य कार्य के लिए भारत में प्रवास कराया जाता है, तो संबंधित नाविक अन्य भत्तों के अवाग प्रवास एवं पोटरेज युएक प्राप्त करने का हकदार होगा। और भारत के बाहर प्रत्येक बार परिवहन मालने या एक बदलने पर हर बार 300 रुपए;

34. पुनर्वर्गीकरण—सर्वे भंडारे और भंडारी में को क्रमशः कूक और कृकम् मेंट के रूप में पुनर्वर्गीकरण किया जाएँ;

35. लूट आप्त संवर्ग—कोई भी लूट आप्त संवर्ग नहीं होगा।

36. दावामात—(क) जब भी किसी नाविक द्वारा नट पर रखने की आवश्यकता नहीं है तो कम से कम 3 गिरारा होल्ट में उसके रखने की आवश्यकता नहीं जानी है;

37. भोक्ता—अधिकारियों एवं कमिश्नों के बीच भोजन के नवंदेश में किसी प्रकार का ऐदमाव नहीं होना चाहिए। अधिकारी की भाँति नाविक को उसके वेतनमात्र के अधिकार पर निष्पत्ति प्राप्तिकरण दिए जाएँ (पांके और बंक की आवश्यकता इच्छानुसार की जानी है)

38. कार्य जिसके लिए विशेष पारिश्रमिक रिया जाता है—

हेच की सफाई, कार्गो हैडलिंग, कार्गो की लैसिंग तथा अन्तर्रिम्य, लैसिंग परायाओं को एकत्र करना। कार्गो की सुरक्षा अथवा उसे हटाने के उद्देश्य द्वारा कार्गो लिपिटंग दंतों के परिष्कारन के लिए; नाविकों का सामान उठाना, जहाज के थाएं में घिरे होने के अवस्था में नट पर उत्तर्क तिगरान रखना;

जहाज कार्गो में विविधता की सामान्यता के अनुसार तट अथवा नहाज के कार्गो को एकत्र करना अथवा अलग करना;

कार्गो तंत्रान्तर वाले लिज्जों की सफाई;

तट में अंथता अथवा जहाज से टनेज एवं मैट्स की हैडलिंग;

हेच से अथवा डैक पर से डेंज एवं गेट एकत्र करना;

चेत लोकर वाटर टैक (ब्राउस्ट सथा जाजे जथा) की सफाई;

कार्गो कार्य की आवश्यकतानुसार उत्तर्क एवं गतदैकल्स का गंभालन; कार्गो शिफ्टर्ज की भाँति रहना;

गिप-गाहड़ की पेटिंग करना;

ब्रायलर तथा स्कावेज ट्रॉक्स की सफाई;

इंजिन कक्ष विन्जों तथा टैक टाप्स के कीचड़ की सफाई;

जेनरेटर की भरन्नता;

चत्वा के हैंट लारेन्स मम्बी भार्ग ते होकर गुजरने वाले जहाजों के भंडार में प्रति लौंक गेट के लिए समझौता भस्ते के माध्यन्तर विशेष जोनम भी दिया जाता है;

मध्यस्थित कर्मनालियों द्वारा जहाज के सर्वप से विन्च, इटर्न, इलाई करना, जहाज के भंडार कक्ष में उस कार्गो को रखना और बोर्ड के भंडारों में ले जाना;

लैसिंग, हिममैटलिंग और गिर्जीसिंग के लिए रार्मी स्ट्रिजरों (कार्गो वैल्स) को भग्नान किया जाएगा जब यह काम चालक दस्त द्वारा किया गया हो;

होल्ड्स को इंजेन पेपर और मैट्स के साथ कवर किए जाने के लिए प्रति होल्ड के लिए पारिश्रमिक देय है;

होल्ड्स की सफाई, स्क्रीपिंग और दोहरी सीमेटिंग के लिए पारिश्रमिक वही होगा जो फोर पैक्स और आफ्टर पैक में समान कार्य के लिए दिया जाता है;

लाए गए कार्गो के डैक अथवा होल्ड्स में शिपिटंग के लिए; जाहे यह काम जहाज खलन से पहले अथवा समृद्ध में मार्गटर के आदेश ने ऐसे कार्गो को खलने के लिए एनिहार्ट उपाय के रूप में किया गया हो जो खगब दशा में स्टोर किया गया हो और किसी भी हाला में आपात् स्थिति न आने देने के लिए किए गए काम के लिए विशेष पारिश्रमिक देय है;

जहाज की ब्राइ डाक किए जाने के भाग्य में यह स्टोर्स कॉम्पैसिंग घालक दल ड्वारा की गई हो;

सामान्य नीर पर बिल्डेज की सफाई अथवा कार्गो स्वैप्सिंग के लिए; फोर और आफ्टर पैक तथा किसी अन्य बैलास्ट वाटर टैक की सफाई, स्कैलिंग और दोहरी सीमेटिंग के लिए विशेष अनुग्रह राशि देय है;

ताजे पानी के टैकों की सफाई के लिए प्रलिप्ति की जाएँ;

वाष्पिक सर्वेशन के लिए मुख्य बायवरों की सामान्य सफाई के लिए विशेष अनुग्रह राशि देय है;

इंजिन रूम बिल्डेज, टनेज और कुएं की सफाई और पेटिंग के लिए पारिश्रमिक देय है;

उक्ती और आकर्जिती बायवरों की सफाई के लिए पारिश्रमिक देय है;

इंजिन रूम और बायलर रूम में पहले के जगह हो गए अपरोप की निकालने के लिए विशेष अनुग्रह राशि देय है;

गर्म कुएं की सामान्य सफाई के लिए अनुग्रह राशि दी जाएँ;

इंजिन चिनिडरों के पिस्टनों, लाइनों को हटाने/सफाई के लिए अनुग्रह राशि दी जाएँ;

39. करार को 1-1-1986 से लागू किया जाए व्योमिक पुराने करार की अवधि 31 जानूर, 1986 को पूरी हो गई।

दिनांक 2 जून, 1987 के व्यायालय के आदेश के अनुसार में आपसे अनुरोध है कि आप उपर्युक्त समां विवाद दिघ्यूल के पास भेज दें तिसका उक्त व्यायालय आदेश के अनुसार गठन किया जाना अपेक्षित है।

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 19th January, 1988

## NOTIFICATION

S. O. 116 (E).—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the Forward Seamen Union of India, Calcutta and Indian National Shipowners Association, Bombay in respect of matters specified in the Schedule hereto annexed ;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercises of the powers conferred by sub-section (1) of Section 150 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Tribunal constituted by the Government of India, Ministry of Surface Transport in S. O. No. 970 (E) published in the Gazette of India, Extra-ordinary Part II, Section 3, sub-section (ii), dated 3-11-1987.

## THE SCHEDULE

“Whether the demands of the Forward Seamen’s Union of India, Calcutta, contained in their charter of demands dated 13-6-1987 (copy at annexure) are justified, having regard to

the present wage structure, conditions of service and total package of benefits admissible to the seamen, capacity of the shipping industry to pay and the agreement already entered into by the Indian National Shipowners Association and the National Union of Seafarers of India under the aegis of the National Maritime Board ? If so, to what relief the seamen are entitled to."

[File No. C-18018]3|87-MT]

P. V. RAO, Jr. Secy.

#### ANNEXURE

Copy of the letter No. FSUI/“NMB-(CLC)”—(I)|20552/87 dated 13th June, 1987 from the Forward Seamen's Union of India, Calcutta, addressed to the Secretary Ministry of Surface Transport, containing the Charter of Demands.

It was within your knowledge that last bipartite agreement, i.e., National Maritime Board (India) agreement of 1984, which had been expired on 31 March, 1986. This Union after having its sole recognition as well as sole bargaining agency in the Wage Negotiation Body for the Calcutta-based registered seamen, placed its charter of demands to the concerned shipowners and their Association and to the Shipowner's Side of National Maritime Board (India) on the 6th February, 1986.

But the shipowners neither settle the demands of the seamen nor they invited us for discussion in any forum. Moreover, they tried their level best to impose an agreement, settled by the National Union of Seafarers' of India, Bombay (a recognised union for Bombay-based registered seamen).

So, the disputes of the following submitted demands need to be settled immediately :—

1. Basic Pay—40 per cent increment in the existing basic ;
2. Supplement—40 per cent of basic pay as supplement ;
3. Overseas Allowance—40 per cent of basic pay as Overseas Allowance ;
4. Seniority Allowance—Rs. 25/- for every 5 years stage as Seniority Allowance ;
5. Tanker Allowance—25 per cent of basic pay as Tanker Allowance ;
6. Tonnage Allowance—Each seamen engaged on ships of under mentioned tonnage including Tankers, Passenger ships and Bulk carrier etc. ; in addition to other wages and allowances shall be entitled to receive.
  - (a) from G.R.T. 15,001 to 25,000—8 per cent of basic pay ;
  - (b) from G.R.T. 25,001 to 30,000—10 per cent of basic pay ;
  - (c) from G.R.T. 30,001 to 35,000—12 per cent of basic pay ;

- (d) from G.R.T. 35,001 to 40,000—14 per cent of basic pay ;
- (e) from G.R.T. 40,001 to 50,000—17 per cent of basic pay ;
- (f) from G.R.T. 50,001 to 60,000—20 per cent of basic pay ;
- (g) from G.R.T. 60,001 to 70,000—23 per cent of basic pay ;
- (h) from G.R.T. 70,001 to above—25 per cent of basic pay ;

7. Bonus—20 per cent of Basic Pay, Supplement, Overseas Allowance, Certificate Allowance, Seniority Allowance, Certificate Allowance, Tanker Allowance (for Tanker only), Tonnage Allowance (if any) as Bonus ;
8. Live with Pay—10 (ten) days' basic, supplement, overseas Allowance, Seniority Allowance, Certificate Allowance, Tanker Allowance, (for Tanker only), Tonnage Allowance (Over G.R.T. 15,000) for every month of service including Subsistence Allowance at the rate of Rs. 40/- only per day ;
9. Subsistence Allowance :—
  - (a) Rs. 40/- per day on paid leave and any type of Retention ;
  - (b) Rs. 50/- per day on transit in India and between the period of sign on to joining the vessel ;
  - (c) Rs. 60/- per day during the period of medical treatment ;
    - (i) After selection if any seaman declared unfit ;
    - (ii) If a seaman discharged ill or injured.
10. Certificate Allowance :—
  - (a) Possessing Watch—keeping Certificates Rs. 50/- per month ;
  - (b) Possessing A.B. and/or Lifeboat and/or Fire Fighting and/or Survival at Sea Certificates Rs. 30/- per month for each of such certificate or certificates, for 2nd Class Boiler Attendant Certificate Rs. 50/- per month for 1st Class Boiler Attendant Certificate Rs. 75/- per month, for Deep Sea going Certificate Rs. 100/- per month ;
11. Working Hour—40 hours a week, i.e. from Monday through Friday 8 hours per day and Saturday, Sunday to be reckoned as holiday ;
12. Period of Rest—A seaman shall be entitled to receive 12 hours of rest, i.e. consecutive 4 hours for entertainment or leisure period and 8 consecutive hours for sleep. If a seaman is required to carry out job/jobs in his leisure period of 4 hours or less he will be entitled to receive Rs. 30/- as compensation for his works in such leisure period in

addition to double overtime and Rs. 75/- for work during sleeping period or less in addition to double overtime ;

13. Calculation of Overtime—If any seaman except watch-keeper asked to work between 18 hours to 0600 hours he will be compensated to double overtime for such per hour of work. If any watch-keeper is asked to work in his leisure period and/or sleeping period he shall be paid double overtime for such per hour of work ;

14. Calculation of Rate of Overtime—Basic, supplement, overseas allowance, Seniority Allowance, Tonnage Allowance, Certificate Allowance, Tanker Allowance to be added together and the resultant will be divided by 36.5 to derive the rate of per hour of overtime ; and exceeding working hours single hour of O. T. is payable for each hour of work ;

15. Retention Allowance—(a) Seaman is entitled to receive basic pay supplement, (a) Seniority Allowance, Certificate allowance at the time of retention i.e., (i) between the period of after selection and sign on ;

(ii) from sign-off/paid-off to the return to the port of engagement ;

(iii) after return to the port of engagement to final payment-off ,

(b) 15 days basic, bonus supplement, seniority allowance and certificate allowance per month from the date of final payment-off to the next date of engagement irrespective of Rosters ;

Note :—In addition to the above, seaman will be entitled to receive House Rent Allowance per month.

16. Medical Benefit—A seaman discharged ill or injured at any port in India including his port of engagement is entitled to receive Basic, Supplement, Seniority Allowance, Certificate Allowance and Bonus till declared fit to resume his duty ;

Note :—House Rent is also payable during the period of Medical unfitness. During the period of Medical unfitness the concerned seaman will not be entitled to get the allowance mentioned in Clause 15 (b) ;

17. House Rent Allowance—22 per cent of basic pay, supplement, Seniority allowance, Certificate allowance, as House Rent Allowance as to whether he is either on or off articled ;

18. Holiday Travel—A seaman shall be entitled to receive his wages and allowance Rs. 2,000/- per year as Holiday Travel ;

19. Family Medical Allowance—In addition to normal wages and allowances Rs. 150/- per

month towards the expenses for medical treatment to his dependent members of his family ;

20. Uniform Washing Allowance—Rs. 150/- per month as Uniform Washing Allowance while on voyage ;

21. Uniform Making Allowance—Rs. 1,500/- to be paid as Uniform Making Allowance to a seaman for a year or a voyage ;

22. Dirty Cargo Washing Allowance—Rs. 10/- per day while coal, cement, carbon black, petroleum coke, Sulphur, fertilizer including cattle food in bulk or such type of cargo as and when will be loaded and or discharged ;

23. Ship keeping—Rs. 35/- per night, and Rs. 70/- per day for Saturday and Sunday or any such holiday as ship keeping allowance in every port if the seaman is detained ;

24. Home Town Travel—First Class Train fare for every rating from his Home town to nearest station and from his home town to Shipping Office and in addition to that Rs. 100/- to be paid to meet with other exigencies ;

25. National Holiday—A seaman is to be granted the following 18 holidays :—

1. Republic Day
2. Pongal/Onam
3. Holi
4. Good Friday
5. National Maritime Day
6. Mahatma Jayanti
7. Buddha Purnima
8. Ist May
9. Idd-Ul-Fitr
10. Independence Day
11. Idd-Uz-Zoha
12. Muharram
13. Mahatma Gandhi's Birthday
14. Maha Astami
15. Dushera
16. Dewali
17. Guru Nanak Birthday
18. Christmas Day.

Note :—If a seaman asked to work on these holidays is to be paid normal hours of overtime;

26. Shorthand Manning—If any rating due to unavoidable circumstances fall short on board ship the concerned ratings double the basic pay, supplement, overseas allowance, bonus, tonnage allowance, tanker allowance to be paid divided equally among the seaman of concerned department ;

27. Death and Disability Compensation—150 per cent of the existing rate as specified in Clause 101(a) of the N.M.B.—Summary of Agreement, 1984 for each rating stipulated therein ;

28. Dangerous Cargo Compensation—In the event of death or injury resulting in permanent incapacity owing to cargo carrying of dangerous nature and according to the stipulated list, such as, Radio active materials, liquid cargoes, Crude Oil, petroleum derivatives petrol black powder, Blasting caps, detonative caps, loaded bombs, hand grenades, dynamite, T.N.T., selignite, loaded shells, Torpedos, lyddite or any cargo which needs the certificates of Director General of Explosives, carried on board, a seaman shall be paid compensation in addition to the death and disability compensation a sum of Rs. 50,000/- ;

29. Flight Insurance—When a seaman is required by the owner, agent or master to travel by Air the concerned owner, agent or master shall at his own cost insure the life of such seamen for a sum of Rs. 1,00,000/- and this amount shall be payable if any death or disability occur in addition to death and disability compensation as per N.M.B. Agreement ;

30. G. P.—Where the G. P. Rating will be employed for such type of vessel, the said rating is entitled to receive 20 per cent and 25 per cent of increased basic pay and each and every allowance as laid down for the conventional ratings for partially integrated G. P. Manning and fully integrated G. P. Manning respectively ;

31. Redundancy Benefit—If any seaman becomes redundant or declared as surplus due to winding up of company or for decreaseal of fleet or for insolvency of shipping company, each of such seaman shall be entitled to receive one month basic, supplement, seniority allowance and certificate allowance last drawn for every year of service so rendered but not less than 15 months' wages;

32. Gratuity—One month's basic pay, supplement, Seniority Allowance, Certificate Allowance and bonus last drawn for every year of service to be paid as Gratuity and accordingly, the existing Gratuity Scheme to be amended ;

33. Porterage—Whenever any seaman is required to travel in India for joining the vessel or for repatriation of port of engagement or for any other business of the company the concerned seaman in addition to other allowances be entitled to receive as Porterage charge in each and every occasion. And outside India Rs. 300/- in each and every change of transport media or route ;

34. Re-categorisation—All the Bhandary and Bhandary Mates to be re-categorised as Crew cooks and Crew Cook's Mate respectively ;

35. Exempted Category—There will be no exempted Category ;

36. Accommodation—Whenever any seaman required to be accommodated at ashore he is to be provided with minimum 3 Star Hotel Accommodation ;

37. Food—There must not be any discrimination in between the officers and Crew in regard to food. The seaman must be provided with provision as per the Scale so provided to an officer (pork or beef to be provided as per choice) ;

38. Work for which Special Remuneration is payable—

- Hatch Cleaning ;
- Cargo handling, cargo lashing and unlash-ing, collecting lashing materials, secure of shift cargoes to operate cargo lifting devices for the purpose ;
- Carry passenger's Baggage ;
- Keep watch ashore when the vessel under fumigation ;
- Connect or disconnect shore or other vessel's cargo hoses at the vessel's manifold ;
- Cleaning cargo hold bilges ;
- Handling dunnage and mats from ashore or from another vessel ;
- Collecting dunnage and mats from hatch or on deck ;
- Cleaning chain locker, water tanks (Ballast & Fresh Water) ;
- Rigging of derricks and guantackles as per the requirement of cargo working ;
- Cargo gear overhauling ;
- Painting ship side ;
- Cleaning boiler & Scavenge trunks ;
- Sludge cleaning of engine room bilges & tank tops ;
- Overhauling of generator ;
- For making past ships passing through St. Lawrence seaway of chanda, special bonus as well as overtime is payable per lock gate ;
- Taking on board stores from along side the vessel by winch, sorting, carrying and placing the same in the ships' store-room by the appropriate personnel ;
- For placing, dismantling and replacing all stringers (Cargo battens) shall be paid when the same is performed by members of the crew ;
- For covering the holds with dunnage paper and mats remuneration is payable per hold ;

For the cleaning, scrapping and double cementing of holds the remuneration is the same as that provided for the same work in the fore peaks and after peak ;

For the shifting of cargo loaded on deck or in holds; whether this is done before the vessels sailing or at sea by order of the master as a precautionary measure for securing cargo which has been badly stored and in any case to avoid an emergency occurring a special remuneration is payable ;

In case of vessel is dry docked, if the placing of stores is done by the crew ;

For cleaning the bilges ordinarily or of cargo sweepings ;

The special compensation is payable for the cleaning, scaling and double cementing of the fore and after peak also any other ballast water tanks ;

The cleaning of fresh water tanks shall be compensated ;

For the general cleaning of main boilers, for annual survey a special compensation is payable ;

For the cleaning and painting of engine room bilges, tunnel and well, a remuneration is payable ;

For the cleaning of the donkey and auxiliary boilers a remuneration is payable ;

A special compensation is payable for dumping the waste of engine room and boiler room which have accumulated during time in post ;

The general cleaning of the hot well is to be compensated ;

For removing/cleaning pistons, liners of the engine cylinders is to be compensated ;

39. Effect of the agreement to be reckoned from 1-4-1986 as, the old agreement completed the tenure on 31 March, 1986.

In pursuant to the court order dated: 2nd June, 1987, you are requested to send all the above disputes to the TRIBUNAL, which is required to be constituted as per the said Court Order.